गौरी जब शादी के बाद ससुराल में आई तो वह कच्ची उम्र की थी। ससुराल में उसकी बात को कोई महत्व नहीं देता था। जैसा सब कहते वह करती जाती। नई-नई शादी हुई थी, सो पति से भी ज्यादा घुली मिली नहीं थी और वह उससे यह कह ही नही पाई कि वह अभी माँ बनने के लिए तैयार नही है। उसको परिवार नियोजन के उपायों की जानकारी भी नहीं थी। अभी वह आगे पढ़ना चाहती थी। अपने पति के साथ अच्छा वक्त बिताना चाहती थी। वह अपने पति से अपने आगे के जीवन के बारे में बात करने की हिम्मत नहीं जुटा पाई। साथ ही ससुराल वालों का जल्दी बच्चा पैदा करने का दबाव झेलती रही। उसे डर भी था किअगर जल्द से जल्द घर वालों को बच्चा नही दिया तो सब उसे बाँझ समझेंगे और उसके साथ बुरा व्यव्हार करेंगे।

प्रः जल्दी माँ न बनने के लिए गौरी किनसे बात कर सकती थी?

20 के बाद ही खुशखबरी

RKSK Rashtriya Kishor Swasthya Karyakram राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम

सत्यमेव जयते

NATIONAL HEALTH MISSION राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन